B.Ed Ist year

Teaching of Hindi

पठन कौशल इकाई - 03

मौन पठन Silent Reading

लिखित भाषा को बिना उच्चारण किए शान्तिपूर्वक, पढ़ना और पढ़कर उसका अर्थ समझने की क्रिया 'मौन पठन' कहलाती है।

मौन पठन के प्रकार

(1) गहन पठन

(2) द्रुत पठन।

मौन पठन के तत्व

1 ⇒ उचित पठन आसन एवं मुद्रा।

2 ⇒ सक्रिय शब्दकोश।

3 ⇒ परिचित शब्दकोश

(4) ⇒ एकाग्रता

(5) ⇒ परीक्षणावलोकन।

(6) ⇒ धैर्य।

(7) ⇒ बोध।

पठन शिक्षण के उद्देश्य

(1) ज्ञानात्मक उद्देश्य

1 ⇒ लिपि का स्पष्ट ज्ञान कराना।

2 ⇒ शब्दसूक्ति भण्डार में वृद्धि करना।

3 ⇒ विभिन्न पहलुओं का सामान्य ज्ञान कराना।

(2) कौशलात्मक उद्देश्य

⇒ तीव्र गति से मौन पठन करने का अभ्यास कराना।

⇒ लिखित सामग्री का अर्थ व भाव समझने की योग्यता का विकास।

(3) भावात्मक उद्देश्य

⇒ अध्ययन में रुचि उत्पन्न करना।

⇒ समीक्षा करने में रुचि उत्पन्न करना।

⇒ भाषा सीखने व ज्ञान प्राप्त करने की प्रवृत्ति का विकास करना।

पठन कौशल के विकास हेतु उपाय

1 ⇒ बच्चों को भाषा के आनन्द से रूबरू कराएं।

2 ⇒ कहानी पढ़कर सुनाना।

3 ⇒ बालगीत विधि सबसे उपयोगी।

4 ⇒ अक्षरों और मात्राओं की पहचान कराना।

5 ⇒ बातचीत करने का अवसर प्रदान करना।

6 ⇒ सामग्री को पढ़कर समझने वाली गतिविधि।

7 ⇒ पढ़ने की आदत का कौशल।

8 ⇒ धारा प्रवाह पठन।

9 ⇒ भाषा का व्यावहारिक प्रयोग।

10 ⇒ मातृभाषा में शिक्षण।

11 ⇒ भाषा शिक्षण के रोचक तरीके।

End

Scanned with CamScanner